TD-301

PME

(II[nd] periodical Test)

Max. Marks : 15 Max. Time - 1 Hr

प्रश्न 1 : Proffesion (पेशा) से आप क्या समझते है ? समझाइये [3]

प्रश्न 2 : निम्न को संक्षेप मे समझाइये -

(i) Motivating the Employees (कर्मचारियो को उत्प्रेरण)

(ii) staff requirement (कर्मचारी की आवश्यकता)

(iii) Home & Foreign Trade (घरेलु तथा विदेशी व्यापार)

(iv) Direct service (प्रत्यक्ष सेवा)

3 x 4 = [12]

20/01/18

(मनीष शर्मा)

PME

(II[nd] Periodical Test)

TD-301

Max. Marks : 15

Max. Hours : 1 Hrs

प्रश्न 1 :- Proffesion से आप क्या समझते है? समझाइऐ [3]

उत्तर 1 : Proffesion मे व्यवसाय शामिल है। Proffesion से तात्पर्य उन कार्यो से है जिनमे भौतिक अथवा शारीरिक योग्यता की विशेष आवश्यकता हो रहती है। जैसे - Doctor, Lawyers, chemist, Dentist, Engineers, Accountant, इत्यादि।

व्यवसाय मे सभी कार्य एवं क्रियाऐ आ जाती है जो जीविकोपार्जन (Living) के लिए की जाती है। जैसे - संगीत, नृत्य, दलाली इत्यादि।

व्यवसाय व proffesion दोनो एक जैसे ही होते है।

प्रश्न 2 : निम्न को संक्षेप मे समझाइऐ : 3×4=12

(i) Motivating the Employees

(ii) staff requirement

(iii) Domestic (Home) & Foreign Trade

(iv) Direct Service

उत्तर 2 :- (i) **Motivating the Employees :-**

किसी भी व्यवसाय अथवा उद्योग को सुचारू रूप से चलाने के लिये भौतिक तत्वो के अतिरिक्त एक और तत्व की आवश्यकता होती है जिसे मानव तत्व अथवा श्रम तत्व (Human or Labour factor) कहते है। इस श्रम तत्व के द्वारा ही भौतिक साधनो का उपयोग किया जाना ही संभव होता है। यह श्रम तत्व उसी समय अपनी पूर्ण कुशलता से कार्य करने को प्रेरित हो सकेगा जबकि उसे अधिक संतुष्टि प्रदान की जाये। इसी को उत्प्रेरण (Motivation) कहते है।

श्रमिक से मशीन की तरह switch दबाकर कार्य नही कराया जा सकता है। श्रमिक के अपने विचार, इच्छाऐ एवं आकांक्षाये होती है। अत: एक श्रमिक मे कार्य के प्रति रूचि उत्पन्न करना, उस रूचि मे वृद्धि करना तथा विकास के लिये हार्दिक इच्छाऐ उत्पन्न करना आवश्यक है। ये सभी कार्य उत्प्रेरण (Motivation) के अन्तर्गत आते है

कुछ motivation technique निम्न है -

(a) आप श्रमिक को बताइये कि आपको, उनपर विश्वास है।
(b) उन्हे छोटे - छोटे लक्ष्य दीजिये।
(c) हमेशा पारदर्शी रहे।
(d) टीम की अपेक्षा अकेले motivate करे।
(e) अच्छे कार्य के लिये पुरस्कार दे।

(ii) staff requirement :- यह कार्य मानव संसाधन विभाग (HRD) के द्वारा किया जाता है। यह विभाग उद्योग के लिए मानव शक्ति का विकास करता है। इस विभाग के द्वारा मुख्य स्रोत के रूप मे विज्ञापनो का use किया जाता है। जिसके माध्यम निम्न है -

(a) Newspaper (b) Magzine (c) poster
(d) T.V (e) Radio (f) Employment News

Selection process (चयन प्रणाली) -

(1) सर्वप्रथम मानवशक्ति स्त्रोत का पता लगाया जाता है।
(2) इसके बाद अभ्यर्थियो से प्रार्थना पत्र प्राप्त किया जाता है।
(3) उनकी छानबीन की जाती है।
(4) सही प्रार्थना पत्रो का चयन किया जाता है।
(5) इन सबके बाद अभ्यर्थियो का screen test होता है जिसमे केवल योग्यताधारी योग्य अभ्यर्थी ही आगे के लिये चयनित होते है।
(6) इसके बाद अभ्यर्थी का aptitute test (कौशल अभ्यास) होता है जिसमे उसके कार्य करने की रुचि को जाना जाता है।
(7) Aptitute Test pass करने के बाद group discussion होता है इन सबके उपरान्त personal Interview होता है जिसमे प्रबन्धन और अभ्यर्थी के बीच वार्ता होती है।
(8) अभ्यर्थियो का चयन होने पर चयनित अभ्यर्थियो का Medical Test होता है।
(9) Medical मे pass होने पर उनका चयन कर लिया जाता है।
(10) चयनित अभ्यर्थियो को नियुक्ति पत्र दे दिया जाता है जिसमे Salary, Term & conditions लिखी होती है। नियुक्ति देने के बाद इन अभ्यर्थियो का प्रशिक्षण होता है व प्रशिक्षण के बाद इनका पदस्थापना होता है।

(iii) Domestic/Home & Foreign Trade ⟶

व्यापार मुख्यत: दो प्रकार का होता है

ⓐ Home Trade ⓑ foreign Trade / International Trade

Home Trade ⟶ एक ही देश में रहने वाले व्यक्तियो के मध्य किए जाने वाले व्यापार को Home trade कहते है। Home Trade को मुख्यत: 3 वर्गो मे विभक्त किया जाता है-

Ⓐ Local Trade → एक ही शहर या गॉव के बीच

Ⓑ State Trade → एक ही राज्य की सीमाओ के मध्य

ⓒ Inter State Trade → एक ही देश के विभिन्न राज्यो के मध्य

Foriegn Trade ⟶ विदेशी व्यापार दो भिन्न-भिन्न देशो के बीच विक्रेताओ और क्रेताओ के मध्य किया गया वस्तुओ का क्रय विक्रय है। विदेशी व्यापार प्राय: 3 प्रकार का होता है-

Ⓐ Import Trade → जब एक देश का क्रेता (customer) दूसरे देश के विक्रेता से किसी वस्तु का क्रय करता है तो इसे Import trade कहते है।

Ⓑ Export Trade → जब एक देश विक्रेता दूसरे देश के क्रेता को किसी वस्तु का विक्रय करता है या भेजता है तो इसे Export trade कहते है।

ⓒ Re Export Trade → जब एक देश द्वारा दूसरे देश से वस्तुओ का क्रय (आयात) इस उद्देश्य से किया जाये कि उसे किसी अन्य देश को बेचा (निर्यात) जा सके तो ऐसे व्यापार को Re Export trade कहते है।

(iv) Direct Service :→ प्रत्यक्ष सेवाओ से आशय व्यक्तिगत सेवाओ से है बाजार मे वस्तुओ की सेवाओ का भी क्रय विक्रय किया जाता है। प्रत्यक्ष सेवाओ का अर्थ मानव द्वारा प्रदान की जाने वाली वो सेवाएं है जिनके द्वारा अन्य व्यक्तियो की आवश्यकताओ को पूरा किया जाता है।

जैसे - चिकित्सक, वकील, इंजीनियर, शिक्षक, लेखक, टाइपिस्ट आदि। इन सेवाओ को देने के लिये मूल्य देना पड़ता है। -

जैसे - होटल, उद्योग, सिनेमा उद्योग, परिवहन उद्योग। इन सेवा उद्योग की भी, व्यवसाय की भाँति व्यवसाय स्थल होते है। जहाँ ग्राहक आते है तथा मूल्य चुकाकर लाभ प्राप्त करते है।

प्रत्यक्ष सेवाओ के दो ~~क्षेत्र~~ होते है -

(i) Personal service (ii) Public service

Personal service → इनमे चिकित्सक, वकील, शिक्षक, लेखापाल, प्रबन्ध विशेषज्ञ आदि की सेवाऐ आती है

public service → ये सेवाऐ सरकारी तथा गैर सरकारी स्तर पर सेवा संस्थाओ द्वारा प्रदान की जाती है। जैसे - नल, बिजली की सफाई, मनोरंजन आदि।

Characteristics of Direct service →

① वस्तुओ के समान इन सेवाओ का उत्पादन नही किया जा सकता है।

② इन सेवाओ का भी मूल्य होता है।

③ ये सेवाये व्यक्ति की कुशलता व योग्यता पर आधारित होती है।

④ एक ही प्रकार की सेवाओ मे सदैव समानता नही पाई जाती है।